KAAV INTERNATIONAL JOURNAL OF ECONOMICS, COMMERCE & BUSINESS MANAGEMENT
A REFEREED BLIND PEER REVIEW QUARTERLY JOURNAL
KIJECBM/ JAN-MAR (2018)/VOL-5/ISS-1/A4 PAGE NO.11-13
ISSN: 2348-4969 IMPACT FACTOR (2017) – 7.8902
UGC APPROVED JOURNAL NO. 47663
WWW.KAAVPUBLICATIONS.ORG

पातञ्जल 'योग सूत्र' का संक्षिप्त विवरण

लेखक

[1]पूनम रानी

[1]जिला रोहतक हरियाणा

सारांश

पतञ्जलि का 'योगसूत्र' विद्वत्परिषद् में एक मौलिक ग्रन्थ के रूप में समाहित है। यह अत्यन्त स्वच्छ तर्क सम्मत, गूढ़ार्थ एवं अपनी कोटि का अद्वितीय ग्रन्थ है। इसके अन्तर्गत स्वल्प शब्दों में अत्यन्त ''प्रवीणतापूर्वक–यौगिक प्रक्रियाओं के निरूपण के साथ–साथ आत्मकल्याण का मार्ग प्रदर्शित किया गया है, जैसा कि योगसूत्र नाम से ही ज्ञात होता है। जिससे अल्प अक्षरों में सारगर्भित, महान्, गम्भीर, अनिन्द्य एवं असंदिग्ध ज्ञान हो –

'अल्पाक्षरमसंदिग्धं सारवद्गूंविश्वतो मुखम्।
अस्तोभमनवद्यं च सूत्रं सूत्रबिदो विदुः।।'

Copyright © 2017 Published by kaav publications. All rights reserved www.kaavpublications.org